ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. No.- 186-188

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- IV, Issues-26, YEAR- Oct.-Dec.-2022

जौनपुर जनपद के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन

1. डॉ0 योगेश कुमार
2. दक्षता सिंह

1. असिस्टेंट प्रोफेसर, 2. पी एच.डी. शोध अध्येत्री– राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर (उ0प्र0) भारत

Received-18.11.2022, Revised-24.11.2022, Accepted-29.11.2022 E-mail: dakshata1465@gmail.com

सारांशः ***जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का अध्ययन करने हेतु शोधार्थिनी ने वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है। इस शोध अध्ययन की समष्टि जौनपुर जनपद के चयनित 230 अध्यापकों से है। द्वीस्तरीय न्यादर्शन द्वारा चयनित अध्यापकों में 120 पुरुष अध्यापक तथा 110 महिला अध्यापिका सम्मिलित हैं। निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। जिसका संभावित कारण 'शिक्षण दक्षता' पर लिंग का कोई प्रभाव ना पडना हो सकता है ।***

कुंजीभूत शब्द– शिक्षण, शिक्षण दक्षता, माध्यमिक स्तर, आत्मनिर्भर, अनुशासित, चरित्रवान, धैर्य, अंतर्निहित शक्तियां ।

एक सक्षम, आत्मनिर्भर, अनुशासित, चरित्रवान आदि गुणों से युक्त व्यक्ति या विद्यार्थी के लिए आवश्यक है, उसकी उच्च कोटि की शिक्षा व्यवस्था जो ना केवल पाठ्यक्रम से पूरी की जा सकती है, बल्कि उसे एक सक्षम अध्यापक की भी आवश्यकता होती है। शिक्षक अपने धैर्य तथा विश्वास के साथ विद्यार्थियों के भविष्य की जिम्मेदारी लेता है और उनके अंतर्निहित शक्तियों का विकास करता है।

शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए शिक्षक का दक्षतापूर्ण कार्य आवश्यक है। शिक्षण दक्षता उस व्यावसायिक योग्यता से है, जिसके अंतर्गत अध्यापकों द्वारा अर्जित ज्ञान तथा उच्च स्तर की संकल्पना प्रस्तुत करने की योग्यता शामिल है। यहाँ इसका अर्थ अध्यापकों की कार्यकुशलता से है। किसी भी शिक्षक में प्रासंगिक/संदर्भित दक्षता, अवधारणात्मक दक्षता, वस्तुनिष्ठ/वस्तुपरक/पाठ्यसामग्री विषयक दक्षता, कार्य निष्पादन विषयक दक्षता, अन्य शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ी दक्षता, अध्ययन व अध्यापन सामग्री (शिक्षण सामग्री) तैयार करने की दक्षता, मूल्यांकन की दक्षता, प्रबंधन की दक्षता, अभिभावकों से संपर्क व सहयोग की दक्षता, समुदाय से संपर्क एवं सहयोग की दक्षता होनी चाहिए। शिक्षक में बौद्धिक तथा भावनात्मक पक्षों में शिक्षा देने की क्षमता होती है। यदि शिक्षक अपने कार्यों में दक्ष एवं कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध है, तो वह कक्षा, विद्यालय एवं समुदाय में उचित एवं आदर्श भूमिका निर्वाह करेगा। परिणामस्वरूप सकारात्मक प्रभाव की एक श्रृंखला प्रतिक्रिया का आरंभ कर सकते हैं।

शिक्षक में शिक्षा, दर्शन, मनोविज्ञान संबंधित क्रियाकलापों की समझ शिक्षण को प्रभावशाली बनाता है और शिक्षक द्वारा अध्यापन का प्रभावशाली एवं बेहतर प्रदर्शन उच्च शिक्षण दक्षता को प्रदर्शित करता है। शिक्षण दक्षता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अत्यधिक ज्ञान का सफलतापूर्वक उपयोग करने हेतु सामर्थ्य बनाना है। दक्ष शिक्षक, शिक्षण कला में निपुण, कार्यकुशल, अच्छा ज्ञान, उचित एवं नवीन दृष्टिकोण वाले होते हैं और वे अपने अनुभव द्वारा प्राप्त ज्ञान को सफलतापूर्वक व्यवहारिक रूप प्रदान करते हैं जिसके लिए प्रत्येक शिक्षक में उचित शिक्षण का होना अत्यंत आवश्यक है।

शोध का औचित्य– वास्तव में परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है और कहीं ना कहीं शिक्षक भी अपने बदलते शिक्षण शैली द्वारा इस परिवर्तनशीलता को प्रमाणित करता है। शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में प्राचीन काल से लेकर वर्तमान युग तक अनेकों परिवर्तन हुए हैं, जिनका प्रभाव शिक्षक की शिक्षण शैली में भी देखने को मिलता है। इसी परिवर्तनशीलता के दौरान वर्तमान शैक्षिक परिवेश में तकनीकी का आगमन हो चुका है। इस बदलते परिवेश में शिक्षक, शिक्षण में तकनीकी को समावेशित करते हुए शिक्षण कार्य करते हैं और अपनी शिक्षण दक्षता को उच्च कोटि का बनाने का प्रयास करते हैं। शैक्षिक परिवेश में समस्त परिवर्तनों का केंद्र–बिंदु विद्यार्थी ही रहते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण शैली में बदलाव विद्यार्थियों के अनुरूप ही करते हैं, जिससे विद्यार्थी सहज एवं सरल रूप से ज्ञान को अर्जित कर सके। प्रस्तुत शोध अध्ययन के माध्यम से शोधार्थिनी ने महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता को जानने का प्रयास किया है।

तकनीकी परिभाषा–

शिक्षण दक्षता– शिक्षण दक्षता, शिक्षक का वह प्रत्यक्ष व्यवहार है, जिसके द्वारा शिक्षण संबंधी अधिगम प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु क्रिया–कलापों को प्रभावशाली ढंग से विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है ।

शोध का उद्देश्य– जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमानों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- IV, Issues-26, YEAR- Oct.-Dec.-2022

शोध परिकल्पना– जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमानों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध अभिकल्प–

जनसंख्या– प्रस्तुत शोध अध्ययन में जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत समस्त अध्यापकों को जनसंख्या कहा गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन– प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थिनी द्वारा द्वि–स्तरीय न्यादर्शन का प्रयोग किया गया, जिसकी सहायता से जौनपुर जनपद के 230 अध्यापकों का चयन किया गया है। द्वि–स्तरीय न्यादर्शन विधि द्वारा चयनित 230 अध्यापक न्यादर्श का निर्माण किए हैं।

शोध प्रविधि– प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्तों का संकलन करने के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध उपकरण– प्रस्तुत शोध अध्ययन के अंतर्गत शोधार्थिनी ने आँकड़ों को एकत्रित करने के लिए स्वनिर्मित शिक्षण दक्षता मापनी उपकरण का प्रयोग किया गया है। इस मापनी उपकरण के अंतर्गत 40 एकांश है। प्रत्येक एकांश की प्रतिक्रिया के रूप में पांच विकल्प दिए गए, जोकि पूर्णतः सहमत, सहमत, अनिश्चित, असमत, पूर्णतः असमत के रूप में है।

सांख्यिकीय विधि– प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण हेतु माध्य (औसत मान), मानक विचलन तथा ज– परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

परिसीमन– प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थिनी ने समय, श्रम एवं धन को ध्यान में रखते हुए केवल जौनपुर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत कक्षा 9 से 12 तक के 230 अध्यापकों का चयन न्यादर्श के रूप में किया है। न्यादर्श के रूप में चयनित 230 अध्यापकों में 120 पुरुष अध्यापकों एवं 110 महिला अध्यापकों को सम्मिलित किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण– प्रस्तुत शोध अध्ययन में उद्देश्य व परिकल्पना के आधार पर आँकड़ों का विश्लेषण ज – परीक्षण द्वारा किया और प्राप्त परिणाम को नीचे दिए गए तालिका में दर्शाया गया।

तालिका

जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष अध्यापकों की शिक्षण दक्षता के तुलनात्मक अध्ययन को दर्शाती।

विवरण	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	df	सार्थकता स्तर	t- सारणी मान	t- परिकलित मान	परिणाम
महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण दक्षता	110	159.38	14.91	1.99	228	0.05	1.97	0.105	स्वीकृत
पुरुष अध्यापकों की शिक्षण दक्षता	120	159.17	15.33						

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जौनपुर जनपद में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष अध्यापकों की शिक्षण दक्षता का औसत मान क्रमशः 159.38 तथा 159.17 प्राप्त हुआ है और मानक विचलन क्रमशः 14.91 तथा 15.33 प्राप्त हुआ है, जोकि यह दर्शाता है कि महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण दक्षता का औसत मान पुरुष अध्यापकों से अधिक है और मानक विचलन कम है। स्पष्ट है कि महिला एवं पुरुष अध्यापकों की शिक्षण दक्षता में अंतर पाया जा रहा है । परंतु यह अंतर सार्थक है अथवा नहीं यह जानने के लिए ज. परीक्षण लगाया गया तथा ज. का सारणी मान (228 df, 5% सार्थकता स्तर पर) 1.97 प्राप्त हुआ तथा ज. का फार्मूला लगाकर परिकलित मान 0.105 प्राप्त हुआ। स्पष्ट है कि चूँकि सारणी मान, परिकलित मान से अधिक है इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि शिक्षण दक्षता के संदर्भ में महिला एवं पुरुष अध्यापकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है, जिसका संभावित कारण 'शिक्षण दक्षता' पर लिंग का कोई प्रभाव ना पड़ना हो सकता है ।

शैक्षिक आशय– शैक्षिक आशय के रूप में यह कहा जा सकता है कि शिक्षण दक्षता के संदर्भ में महिला और पुरुष दोनों ही प्रकार के शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण तथा समसामयिक शिक्षण अधिगम तकनीकी की जागरूकता समय–समय पर

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- IV, Issues-26, YEAR- Oct.-Dec.-2022

शासन द्वारा तथा महाविद्यालयी स्तर पर प्रशासकों द्वारा प्रदान करायी जानी चाहिए और इसमें किसी भी आधार पर (लिंग, आवासीय परिस्थिति, प्रबंधन की स्थिति इत्यादि) भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा अपने छात्राध्यापकों (महिला एवं पुरुष) में उचित शैक्षिक क्रियाकलापों के माध्यम से शिक्षण दक्षता का विकास सुनिश्चित करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Anderson,R.L. & Statistical Theory of Research, New Benefort, T.A.(1952) York: Holt Rinehart& Winston Inc.
2. Best, John W. (2018) Research in Education, Tenth Edition, Pearson.
3. Garrette, HenryE.(2007) Statistical in Psychology and Education (Reprint); New Delhi: Kalyani Publishers.
4. Kaul, Lokesh.(1988) Methodology of Educational Research, Vikas Publishing House,Shimla.
5. Levin, Rechard I.& Statistics for Management:Pearson Rubin, David S. (2006) Prentice Hall, Pearson Education Inc.80 strand,London
6. Lindquist, E.F. (1940) Statistical Analysis in Educational Research : Honston Hoton Miflin Co.
7. Mustafa, Dr. K.M. (2019) Special Education: Personality & Teaching Competency, Discovery Pub lishing House Pvt. Lt.
8. Singh,Vinod Kumar (2009) Teaching Competency Primary School Teachers,Gyan Publishing House.
9. गुप्ता, एस. पी. (2017) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
10. पाठक, पी. डी., शिक्षण के सिद्धान्त एवं विधियाँ, श्री विनोद अग्रवाल जे.सी. (2017) पुस्तक मन्दिर।
11. शर्मा, डॉ. आर. ए. (2017) शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, मेरठ।

*****